वर्ष –10, अंक – 1
अंक : जुलाई–सितम्बर 2020
UGC-CARE LISTED S.N. - 61

मूल्य-100/-
ISSN NO. 2320-5733

समसामयिक सृजन

समकालीन साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति का संगम

Scanned with CamScanner

समसामयिक सृजन

साहित्य, शिक्षा और संस्कृति का संगम

संरक्षक
डॉ. प्रभात कुमार

प्रधान संपादक एवं परामर्श
डॉ. रमा

संपादक
डॉ. महेन्द्र प्रजापति

संपादन सहयोग
रीमा प्रजापति

प्रचार-प्रसार
विजय कुमार सिंह

बिहार-प्रतिनिधि
डॉ. प्रभात कुमार 'प्रभाकर'

ले-आउट
हर्ष कंप्यूटर्स

संपादकीय कार्यालय
मकान नं. 189, ब्लॉक-एच
विकासपुरी, नई दिल्ली-110018

पत्राचार
एफ-114, तृतीय तल, SLF, वेद विहार
नियर : शंकर विहार ऑटो स्टैंड, लोनी
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201102

सदस्यता
आजीवन : 5000/- रुपए
संपर्क : 9871907081
वेबसाइट : www.samsamyiksrijan.com
Email : samsamyik.srijan@gmail.com

प्रकाशन एवं मुद्रण
हरिन्द्र तिवारी
हंस प्रकाशन, दिल्ली
ईमेल : hansprakashan88@gmail.com
वेबसाइट : www.hansprakashan.com

संपादकीय

- मिथक और पुराख्यान का वस्तुनिष्ठ सच : *आनंद कुमार सिंह*
- समांतर सिनेमा : यथार्थ की अभिव्यक्ति : *डॉ. रमा*
- नाटक की दुनिया में व्यंग्य नाटकों की धमक : *डॉ. प्रज्ञा*
- हिंदी रंगमंच का आरंभिक स्त्री-विमर्श : *डॉ. आशा*
- अस्तित्ववाद की अवधारणा : *विप्लव कुमार*
- भाषा और अस्मिता : *अंकिता चौहान*
- नई कहानी की वैचारिक ... : *पंकज शर्मा*
- "समकालीन सिनेमा में स्त्री मुक्ति एवं ... : *डॉ. मनीषा शर्मा*
- मैत्रेयी पुष्पा के 'विजन' उपन्यास में ... : *अभिनव प्रकाश*
- फुटबॉलर के रूप में एक स्त्री का संघर्ष ... : *जैनेन्द्र कुमार*
- शानी और उनका उपन्यास 'काला जल' : *डॉ. सुनील यादव*
- आदिवासी कविता : विविध परिवेश : *जसपाल कौर*
- युद्ध और हिंदी कहानी : *राम भवन यादव*
- भारतेंदु की पत्रकारिता : *प्रभांशु ओझा*
- चांदायन में प्रेम-निरूपण : *डॉ. विजय शंकर मिश्र*
- 1942 के आंदोलन की घटनाएँ एवं : *श्याम सुंदर राय*
- स्वच्छता और पर्यावरण शिक्षा : *डॉ. सरोज राय*
- भीष्म साहनी के कड़ियाँ उपन्यास में ... : *मोहित शुक्ला*
- संवाद व मनुष्यता के परिप्रेक्ष्य में भक्तिकाल ... : *सचिन*
- भारत आसियान संबंधों की समीक्षा ... : *सुशील कुमार*
- शरद जोशी के निबंधों में धार्मिक विसंगतियाँ ... : *पूनम*
- हिंदी साहित्य में इतिहास : कालविभाजन ... : *डॉ. विजय*
- हिंदी साहित्य के विकास में संस्कृत ... : *डॉ. प्रभात कुमार*
- 'रशीद जहां की कहानियाँ' में चित्रित ... : *डॉ. पठान*
- इक दिल है, ढूँढ़ता हूँ, उसी बेखबर ... : *अवनीश*
- आज की स्त्री, कल की संस्कृति और ... : *सदफ*
- 21वीं सदी की कहानियों में चित्रित ... : *बनजा*
- हरिवंश नारायण की कहानी 'अगले ... : *डॉ.*
- "बुलंदशहर जनपद के प्राथमिक ... : *कुमार*
- 'ग्लोबल गाँव का देवता : आजाद ... : *सरस्वती कुमा*
- भारतीय संस्कृति और हजारी प्रसाद ... : *डॉ.*
- मोबाइल फोन का महिलाओं के ... : *कुमारी*

Scanned with CamScanner

नाटक की दुनिया में व्यंग्य नाटकों की धमक

डॉ. प्रकाश

इधर पिछले कुछ वर्षों में हिंदी नाटक की साहित्य में उपस्थिति सशक्त हुई है। नाटक केवल अनुवाद का मोहताज नहीं रहा। यूँ नुक्कड़ नाटकों के क्षेत्र में मौलिक नाटक का अभाव कभी भी नहीं रहा है। अच्छी बात यह है कि अब नुक्कड़ नाटकों का दस्तावेजीकरण होने से नए नुक्कड़ नाटक-संग्रह तेजी से प्रकाश में आ रहे हैं। इधर मंच नाटकों के क्षेत्र में भी सक्रियता दिखलाई पड़ रही है। पिछले वर्षों में नाटकों की स्क्रिप्ट्स संबंधी किताबों में इजाफा हुआ है। दलित नाटक के साथ-साथ स्त्री केंद्रित नाटक भी प्रकाश में आए हैं। इधर व्यंग्य नाटकों की शुरुआत भी हुई है। व्यंग्य की महत्त्वपूर्ण पत्रिका 'व्यंग्य यात्रा' का अक्टूबर-दिसंबर 2018 अंक नाटक केंद्रित है। जाहिर है पत्रिका व्यंग्य को केंद्र में रखती है इसीलिए यह नाटक भी व्यंग्य आधारित हैं। पत्रिका का यह अंक इस मायने में महत्त्वपूर्ण है कि इसमें एक साथ चार नाटक प्रकाशित हुए हैं। इस लिहाज से कहा जाए तो व्यंग्य नाटकों के अकाल में यह अंक उत्सव सरीखा है। अंक का पहला नाटक जयवर्धन का 'खैरातीलाल का कुर्सी तंत्र' है ,दूसरा राजेंद्र राव द्वारा लिखित नाटक 'सेंट ऑफ मनी' है। प्रेम जनमेजय का नाटक 'क्यों चुप है तेरी महफिल में' और राजेश कुमार का नाटक 'दिव्यचक्षु' भी पत्रिका में शामिल है।

नाटककार और नाटक के निर्देशन-प्रस्तुति पक्ष से जुड़े रहे जयवर्धन के पूर्व प्रकाशित नाटक हैं–'किस्सा मौजपुर का', 'झाँसी की रानी', 'हाय! हैंडसम', 'अर्जेंट मीटिंग', 'कर्मेव धर्मः' नामक नौटंकी भी इन्होंने लिखी है। इसके अलावा 'दरोगा जी! चोरी हो गई', 'मस्तमौला', 'मायाराम की माया', बच्चों के लिए छह नाटक, प्रेमचंद के विख्यात उपन्यास 'गोदान' का नाट्य रूपांतरण जैसी अनेक रचनाएँ नाटक के क्षेत्र में किए गए जयवर्द्धन जी के उल्लेखनीय काम हैं। 'खैरातीलाल का कुर्सी तंत्र' नाटक आजादी के सत्तर साल में लोकतंत्र जैसे महत्त्वपूर्ण मूल्य और गरिमावान शब्द के भारी अवमूल्यन की परत दर परत उघाड़ता है। जाति, धर्म, धन, सत्ता के प्रचंड दर्प से भरी भ्रष्ट और दलबदल राजनीति की कलई 'खैरातीलाल का कुर्सी तंत्र' नाटक खोलता चलता है। यह नाटक नौ दृश्यों में बंधा है। इस नाटक में खैरातीलाल दरअसल एक मुख्यमंत्री है। एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री जो बिल्डरों से, सेठों से, पूँजीपतियों से मनमाफिक सुविधाएँ बटोरता है। सत्ता और ताकत के समीकरण से बनी राजनीति में आने का उसका यही प्रयोजन है और राजनीतिक धर्म भी।

खैरातीलाल की नजर आगामी चुनावों पर है जिसमें वह अपनी पत्नी चुनरीदेवी को कुर्सी दिलवाना चाहता है। इस नाटक का टर्निंग प्वाइंट है जब खैरातीलाल अपनी ही पार्टी के कच्चे चिट्ठे, अपराधों में पार्टी की संलिप्तता की गोपनीय बातें उजागर कर देता है। अचानक उसकी इन बातों का एक वीडियो जनता में वायरल कर दिया जाता है और पार्टी उसकी घोषित हो चली भ्रष्ट सार्वजनिक छवि से पल्ला छाड़ते हुए उससे इस्तीफा माँगती है। जेल जाने की बात जैसे ही आती है खैरातीलाल निर्धन वर्ग से जुड़े होने का सहानुभूति कार्ड भी खेलता है पर उसके प्रयास निरर्थक जाते हैं। जेल जाने के बाद उसकी पत्नी भावी चुनाव की तैयारी करती है। खैरातीलाल का पी.ए. रामभरोसे अपने लंबे अनुभव का फायदा उसकी पत्नी को पहुंचाता है। जेल से लौटा खैरातीलाल सब देखकर दंग रह जाता है। उसका पी ए. खैरातीलाल का सहानुभूतिपूर्ण स्व करता है। उसे छोटा आदमी समझक खैरातीलाल अपमानित समझता है। गुस्स और अपमान की ज्वाला में भस्मीभू खैरातीलाल रामभरोसे को पीटता है। पत्नी पति द्वारा रामभरोसे की पिटाई में व रामभरोसे के पक्ष में खड़ी होती है अं अंत में कुर्सी को सहलाते हुए उस प जम जाती है। नाटक यहाँ खत्म होता है इस नाटक का नाटकीय क्षण खैरातीला का वीडियो वायरल होना है। यहाँ घटनाएँ एकदम नया रूप ले लेती हैं नाटक की दुनिया में उथल-पुथल मच जा है। यह जरूर है कि बतौर पाठक मु लगा कि अंत में पी.ए. की पिटाई दृश्य में मुख्यमंत्री की पत्नी का पी.ए. साथ खड़ा होना कोई सुधारवाद आदर्शवाद जैसी अवधारणा का रखा जा नहीं है। चुनाव की भावी रणनीति बन के मद्देनजर पत्नी पी. ए. का साथ दे है और पत्नी को कुर्सी दिलाकर उस एवज में राज करने की जुगत बिठाने व अपने पति को चुनरीदेवी स्वयं राजनी का दामन थाम कर बाहर जाने का दरवा दिखा देती है।

Scanned with CamScanner